संख्या-218/2016/725/22-2-2016-17(110)/2004

प्रेषक,

सत्येन्द्र कुमार सिंह,
विशेष सचिव
उत्तर प्रदेश, शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 03 नवम्बर, 2016***

विषय:- केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी जरीफ पुत्र श्री लतीफ, निवासी जनपद-मुरादाबाद की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-3265/पर-3(एम-20-01-2016) दिनांक-03-02-2016 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी जरीफ पुत्र श्री लतीफ, निवासी-हजरत नगर गढ़ी, थाना- हजरत नगर गढ़ी, जनपद-मुरादाबाद का रहने वाला है। घटना से लगभग 02 वर्ष से अधिक पूर्व में हुए विवाद को लेकर चल रहे मन-मुटाव के कारण बन्दी ने 01 सहअभियुक्त के साथ मिलकर दिनांक 11.08.1979 को सायं लगभग 06:30 बजे बाजार से लौट रहे मोहम्मद एवं दूल्हा की कट्टा एवं बन्दूक से गोली मारकर हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-529/1979 के अन्तर्गत भा0द0वि0 की धारा-302, 307 के अन्तर्गत मा0 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट सं0-4, मुरादाबाद द्वारा पारित आदेश दिनांक 09.09.1980 को आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 12-01-2016 तक 15 वर्ष 00 माह 11 दिन की अपरिहार तथा 19 वर्ष 08 माह 07 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल में आचरण अच्छा है। बन्दी का 01 सहअभियुक्त कारागार में निरूद्ध हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बन्दी द्वारा कारित अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने वाले अपराध की श्रेणी में आता है, बन्दी रिहा होने पर पुन: अपराध कर सकता है, बन्दी पुन: अपराध कर सकता है इसलिये कारागार में निरूद्ध रखना उचित होगा, की आख्या अंकित करते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बन्दी द्वारा कारित अपराध संगीन अपराध की श्रेणी में आता है जिससे समाज में भय व्याप्त है, समयपूर्व रिहाई पर पुन: अपराध कर सकता है, की आख्या से सहमत होते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। जिला मजिस्ट्रेट, मुरादाबाद ने बन्दी के अभिभावक को उपयुक्त बताते हुए बन्दी द्वारा कारित अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने वाले अपराध की श्रेणी में आता है, बन्दी रिहा होने पर पुन: अपराध कर सकता है, बन्दी के परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य है, की आख्या अंकित करते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है । प्रोबेशन बोर्ड ने बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, मुरादाबाद द्वारा किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट,

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्वदोष बन्दी जरीफ पुत्र श्री लतीफ, निवासी जनपद-मुरादाबाद को प्रोबेशन पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेयक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी जरीफ (बन्दी संख्या-7069) पुत्र श्री लतीफ, निवासी जनपद-मुरादाबाद के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति शासन द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतदद्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

(सत्येन्द्र कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

संख्या-218/2016/725(1)/22-2-2016 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, मुरादाबाद।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा।
3- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सत्येन्द्र कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश सख्ंया-218/2016/725@22-2-2016-17(110)/2004

दिनांक 03 नवम्बर, 2016 का संलग्नक

सरकार के आदेश

केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी जरीफ पुत्र श्री लतीफ, निवासी-हजरत नगर गढ़ी, थाना- हजरत नगर गढ़ी, जनपद-मुरादाबाद का रहने वाला है। घटना से लगभग 02 वर्ष से अधिक पूर्व में हुए विवाद को लेकर चल रहे मनमुटाव के कारण बन्दी ने 01 सहअभियुक्त के साथ मिलकर दिनांक 11.08.1979 को सायं लगभग 06:30 बजे बाजार से लौट रहे मोहम्मद एवं दूल्हा की कट्टा एवं बन्दूक से गोली मारकर हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-529/1979 के अन्तर्गत भा0द0वि0 की धारा-302, 307 के अन्तर्गत मा0 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट सं0-4, मुरादाबाद द्वारा पारित आदेश दिनांक 09.09.1980 को आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 12-01-2016 तक 15 वर्ष 00 माह 11 दिन की अपरिहार तथा 19 वर्ष 08 माह 07 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल में आचरण अच्छा है। बन्दी का 01 सहअभियुक्त कारागार में निरूद्ध हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बन्दी द्वारा कारित अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने वाले अपराध की श्रेणी में आता है, बन्दी रिहा होने पर पुन: अपराध कर सकता है, बन्दी पुन: अपराध कर सकता है इसलिये कारागार में निरूद्ध रखना उचित होगा, की आख्या अंकित करते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बन्दी द्वारा कारित अपराध संगीन अपराध की श्रेणी में आता है जिससे समाज में भय व्याप्त है, समयपूर्व रिहाई पर पुन: अपराध कर सकता है, की आख्या से सहमत होते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। जिला मजिस्ट्रेट, मुरादाबाद ने बन्दी के अभिभावक को उपयुक्त बताते हुए बन्दी द्वारा कारित अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने वाले अपराध की श्रेणी में आता है, बन्दी रिहा होने पर पुन: अपराध कर सकता है, बन्दी के परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य है, की आख्या अंकित करते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है । प्रोबेशन बोर्ड ने बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, मुरादाबाद द्वारा किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्वदोष बन्दी जरीफ पुत्र श्री लतीफ, निवासी जनपद मुरादाबाद को प्रोबेशन पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है। उक्त के दृष्टिगत सम्यक विचारोपरान्त शासन द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार किये जाने का निर्णय लिया गया है।

(सत्येन्द्र कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in